मुझे नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - की पत्नियों में से केवेल ख़दीजा पर ग़ैरत आती थी। हालाँकि मेरे विवाह से पहले ही उनका निधन हो चुका था। वह कहती हैं ◌ः अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - जब बकरी ज़बह करते , तो कहतेः "इस में से ख़दीजा की सहेलियों को भेजो। "

आइशा -रज़ियल्लाहु अन्हा - कहती हैं कि मुझे नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - की पत्नियों में से केवेल ख़दीजा पर ग़ैरत आती थी। हालाँकि मेरे विवाह से पहले ही उनका निधन हो चुका था। वह कहती हैं ◌ः अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - जब बकरी ज़बह करते , तो कहतेः "इस में से ख़दीजा की सहेलियों को भेजो। " वह कहती हैं कि मैंने एक दिन आप को नाराज करदिया , और मैंने कहा : खदीजा! तो अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने फ़रमायाः "मेरे अंदर उसका प्रेम रचा -बसा है। "

[सहीह] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/11175